BANC 114: भारत का मानवविज्ञान

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य

(TMA)

कोर्स कोड: बीएएनसी 114

असाइनमेंट कोड: BANC 114/ASST/TMA/ जुलाई 2026 और जनवरी 2027

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। 20X2= 40

क. भारतीय गाँवों के अध्ययन के प्रति मानवविज्ञानीय उपागम की चर्चा कीजिए।

ख. भारत की जनजातियों में भूमि से बेदखली तथा ऋणग्रस्तता की समस्याओं का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें) 10X2=20

क. भारतीय जनसंख्या की विविधता

ख. अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक संरक्षण

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। 2X5=10

क. पुरुषार्थ

ख. प्रकृति–मानव–आत्मा संकुल (Nature–Man–Spirit Complex)

ग. दलित महिलाएँ

घ. नगरीय मानवविज्ञान

ई. बी. एस. गुहा का प्रजातीय वर्गीकरण

सत्रीय कार्य – III

क. मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य का अर्थ एवं उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 20

ख. नृवंशविज्ञानीय अनुसंधान करते समय ध्यान में रखने योग्य बातों का वर्णन कीजिए। 10

क. भारतीय गाँवों के अध्ययन के प्रति मानवविज्ञानीय उपागम की चर्चा कीजिए।

उत्तर

भारतीय गाँव केवल खेती करने वाले लोगों की बस्तियाँ नहीं हैं। वे रिश्तेदारी, जाति, आर्थिक संबंध, धार्मिक आस्थाओं, स्थानीय राजनीति और बदलते जीवन-मूल्यों से बनी जटिल सामाजिक इकाइयाँ हैं। मानवविज्ञान का उद्देश्य गाँव को बाहर से देखकर कुछ सामान्य विशेषताएँ गिनाना नहीं, बल्कि वहाँ रहने वाले लोगों के दैनिक अनुभवों से समझना है कि सामाजिक व्यवस्था कैसे बनती और बदलती है। इसलिए गाँव का मानवविज्ञानीय अध्ययन समग्र, तुलनात्मक तथा क्षेत्रकार्य-आधारित होता है।

गाँव का समग्र अध्ययन

समग्र उपागम में खेती और भूमि-स्वामित्व को परिवार, जाति, धर्म, सत्ता तथा संस्कृति से जोड़कर देखा जाता है। उदाहरण के लिए किसी परिवार की आर्थिक स्थिति केवल खेत के आकार से तय नहीं होती; सिंचाई, श्रमिकों की उपलब्धता, कर्ज, स्थानीय बाजार और सामाजिक नेटवर्क भी उसे प्रभावित करते हैं। इसी तरह विवाह संबंध रिश्तेदारी का विषय होने के साथ संपत्ति, प्रतिष्ठा और महिलाओं की स्थिति से भी जुड़े होते हैं। इस प्रकार अलग-अलग संस्थाओं के परस्पर संबंधों को समझना जरूरी है।

क्षेत्रकार्य और सहभागी अवलोकन

मानवविज्ञानी गाँव में पर्याप्त समय बिताकर लोगों के साथ बातचीत, अवलोकन तथा दैनिक कार्यों में सीमित और उचित भागीदारी के माध्यम से तथ्य एकत्र करते हैं। सहभागी अवलोकन से यह अंतर समझ आता है कि लोग किसी नियम के बारे में क्या कहते हैं और व्यवहार में क्या करते हैं।